Chanderiyaan.in
डिजीटल द्वारा आजीविका

'बुनकर सामुदायिक सूचना संचार तकनीक संसाधन केन्द्र,चंदेरी'

(सी डब्ल्यू आई सी टी आर सी)

बुनकरी के कौशल में और विकास व मॉग आपूर्ति कम को जारी रखना

Chanderiyaan.in बुनकरी कौशल में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, मॉग आपूर्ति कम को टिकाये रखना व चंदेरी समुदाय के आधारभूत सामाजिक–आर्थिक व मानव संसाधनों की जरूरतों को सूचना संचार तकनीक संसाधनों से पूरा करना

{डिजीटल एम्पावरमेण्ट फाउण्डेशन और मीडिया लैब एशिया की सूचना तकनीक मंत्रालय, भारत सरकार के सहभागिता से एक पहल}

चंदेरी के बारे में

चंदेरी मूलतः एक बुनकरों का शहर है जो कि मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले में बेतवा नदी के किनारे अवस्थित है। सरकारी ऑकडों के मुताबिक, इसकी करीब 35 हजार की आबादी में से 70 प्रतिशत से ज्यादा की आबादी चंदेरी कपडों के निर्माण या व्यापार में लगी है। लगभग सभी घरों में एक या दो लूम (करघे) हैं। यहाँ के 60 से ज्यादा प्रतिशत करघे मुस्लिम परिवारों के हैं। चंदेरी के करीब 90 प्रतिशत से ज्यादा परिवार पूरी तरह से बुनकरी व इससे जुडे आय पर निर्भर हैं।

चंदेरी का बुनकरी से जुडाव

पूर्व काल से ही चंदेरी वस्त्र की बुनाई हाथ से बुने सूती धागों से ही की जाती रही है। इसकी बुनाई इतनी बारीकी (300 काउंट) से की जाती थी कि इसे ढाका के सुप्रसिद्ध मलमल की तरह ही मूल्यवान माना जाता था। परंपरागत रूप से खालिस हाथ से बुने सूती धागों से बनी चंदेरी की साडियॉं राजघरानों में उनकी अत्यंत हल्के वजन, चटखदार रंगों व अतुल्य उन्नत कलाकारी के बुते अपनायी जाती थी। चंदेरी के बुनाई के डिजाइन प्रकृति व मध्य प्रदेश स्थित चंदेरी शहर के शानदार मंदिरों से प्रेरित हैं। चंदेरी के बुनाई से भारत की सबसे शानदार साड़ियॉं, सूती वस्त्र का निर्माण हुआ है जो कि गर्मियों में सबसे आरामदेह रहते हैं। आज के जमाने में चंदेरी में केवल तीन प्रकार के कच्चे माल से बुनाई की जाती है: सूती, रेशमी व जरी या सोने की सूत। ये सामान स्थानीय रूप में उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें जापान, कोरिया तथा चीन जैसे दूर दराज के देशों से आयात करना पडता है। खालिस चंदेरी कपड़ों को प्राप्त करने में सबसे बड़ी बाधा है कि उन्ही जैसे मिलते जुलते कपड़े कम दामों पर उपलब्ध हैं।

बुनकर सामुदायिक सूचना संचार तकनीक संसाधन केन्द्र, चंदेरी (सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी)

बुनकर सामुदायिक संसाधन केन्द्र सूचना संचार तकनीक का उपयोग कर चंदेरी के बुनकरों के कौशल में उनका सहयोग करेगा। ऐसा इसलिये किया गया ताकि बाजार के वर्तमान हालात को देखते हुये उन्हें नये डिजाईनों के वस्तुओं का पता चल सके तथा वे चंदेरी के उत्पादों की मॉग–आपूर्ति श्रृंखला को बनाये रख सकें। संसाधन केन्द्र से समुदायों के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक और मानव संसाधन मांगों की भी पूर्ति सूचना संचार तकनीक का उपयोग कर की जायेगी।

सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी के उद्‌देश्य

- बुनाई कौशल में मूल्य वर्धन को बढ़ावा
- दैनिक उत्पादों में मूल्य वर्धन
- विभिन्न सूचना संचार तकनीकों का प्रशिक्षण
- बुनकर परिवारों, बच्चों एवं युवाओं की अपेक्षित सूचना संचार तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करना
- चंदेरी उत्पादों की मॉग–आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देना व बरकरार रखना
- रेशमी शहर चंदेरी के पर्यटन विकास को बढ़ावा देना

सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी के अवयव

- उच्च क्षमता कम्प्यूटरों और टेक्सटाईल कालीन डिजाईन सॉफ्टवेयर
- बुनकरों के वास्ते डिजाइनिंग प्रशिक्षण की व्यवस्था
- बुनकर परिवारों के बच्चों व युवाओं को शिक्षा प्रदान करना
- डिजाईनिंग, सिलाई व प्रदर्शनी केन्द्र जिसमें एक छोटा बुनकर पर्यटन केन्द्र भी समाहित
- एक एक्सपर्ट डिजाईनर की व्यवस्था जो कि टेक्सटाईल डिजाईनिंग एवं कपड़ों की डिजाईनिंग से लेकर अंतिम उत्पाद तक का प्रशिक्षण दे सके
- एक ई–कॉमर्स वेबसाईट जहाँ उत्पादों को सीधे–सीधे इंटरनेट के द्वारा बेचा जायेगा। पोर्टल से समुदाय की एक अलग पहचान विश्व भर में बनेगी।

सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी के लाभ

- बुनकर समुदाय को समग्र प्रशिक्षण व मानव संसाधन कौशल प्रदान करना
- बुनकरों के वास्ते आय बढ़ोतरी के साधन उपलब्ध कराना
- बुनकर समुदाय के बच्चों व युवाओं के सूचना संचार तकनीक व इसके इतर कौशल का विकास
- समुदाय के महिला सदस्यों की आर्थिक–सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति
- वर्तमान डिजाईनों को विभिन्न ढंग से इस प्रकार मिलाना कि डिजाईनरों की रचनात्मकता, उत्पादों का अलग रंगढंग निखर कर आये व इससे उत्पादों के मार्केटिंग में मदद मिले

परियोजना के परिणाम

- संसाधन केन्द्र कम से कम 3000 बुनकर परिवारों को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करेगा निर्धारित न्यूनतम लक्ष्य
- बुनाई के 100 डिजाईन पैटर्न
- कपड़े (एपारेल) डिजाईन के स्तर पर 100 डिजाईन पैटर्न
- कुल डिजाईनरो में से 5 डिजाईनरों को इस प्रकार मास्टर ट्रेनिंग देना कि वे कम से कम 100 अन्य बुनकरों को प्रशिक्षित कर सकें
- बुनकर समुदाय के 500 बच्चों व युवाओं को अंग्रेजी पढ़ाने का कार्यकम
- बुनकर समुदाय के 500 बच्चों व युवाओं को सूचना संचार तकनीक से अवगत कराना व कम्प्यूटर जानकार बनाना
- नीरजाल व डिजीटल पंचायत प्रोग्राम का समन्वय
- सूचना संचार तकनीक के विभिन्न व्यवसायिक सेवाओं जैसे इंटरनेट, ईमेल, फैक्स, प्रिंटिंग, डीटीपी, चैट, एसटीडी/आईएसडी आदि मुहैया कराना

सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी के लाभार्थी

चंदेरी समुदाय

चंदेरी समुदाय के करीब 3000 बुनकर परिवारों का सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ाव है। बुनकर परिवार उनके बच्चे और स्थानीय युवा इस संसाधन केन्द्र की सेवाओं के वास्तविक लाभार्थी हैं।। बुनकरों की बुनाई कौशल डिजाईन व चंदेरी के सूचना संचार तकनीक का प्रयोग कर चंदेरी के कपड़ों की मांग आपूर्ति श्रृंखला को बरकार रखकर उन्हे व्यापक फायदा।

डजीटल एम्पावरमेण्ट फाउण्डेशन और मीडिया लैब एशिया की सूचना तकनीक मंत्रालय भारत सरकार के सहभागिता से एक पहल

डिजीटल एम्पावरमेण्ट फाउण्डेशन

सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी परियोजना का विचार व परिकल्पना डीईएफ के द्वारा चंदेरी के बुनकर समुदाय के समग्र विकास के वास्ते किया गया है। डीईएफ इस परियोजना का प्रमुख भागीदार और कार्यान्वयन करने वाली संस्था है जिसमें चंदेरी के स्थानीय समुदाय, मीडिया लैब एशिया एवं सूचना तकनीक मंत्रालय, भारत सरकार का का तहे दिल से तथा मध्य प्रदेश की राज्य स्तरीय संस्थाओं का भी सहयोग है। डीईएफ इसके कार्यान्वयन, प्रगति, व इससे क्या क्या लाभ होगा और केन्द्र के परियोजना अवधि के बाद भी चालू रखने की जिम्मेवारी लेगा।

मीडिया लैब एशिया

मीडिया लैब एशिया सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी के सह–कार्यान्वयनकर्ता होने के नाते जो डिजाईनिंग सॉफ्टवेयर की दरकार है वो देगा, अगर उसमें कोई पारिस्थितिक परिवर्तन करने की आवश्यकता है तो वो करेगा, और परियोजना के वास्ते जो जरूरी ट्रेनिंग की दरकार है वो प्रोजेक्ट के दौरान व उसके बाद भी देगा।

सूचना तकनीक मंत्रालय, भारत सरकार

सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी परियोजना पूर्ण रूपेण सूचना तकनीक मंत्रालय के द्वारा वित्त प्रदत है ताकि चंदेरी बुनकर समुदाय को आजीविका व आय उपार्जन का एक अतिरिक्त स्त्रोत मिल सके व उनका समग्र विकास हो सके। सूचना तकनीक मंत्रालय का सहयोग इस प्रोजेक्ट में 1 साल के लिये है।

परियोजना कार्यालय

'चंदेरी बुनकर समुदाय सूचना संचार तकनीक संसाधन केन्द्र'

(सीडब्ल्यूआईसीटीआरसी)

द्वारा–डिजीटल एम्पावरमेण्ट फाउण्डेशन

कालू सराय, नई दिल्ली–110 016 फोन–011.26532786 / 26532787 फैक्स–011–26532787

DIGITAL EMPOWERMENT FOUNDATION

Department of Information Technology
Ministry of Communications & Information Technology
Government of India

media Lab asia
innovating for Digital Inclusion